हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 347 देहरादून शुक्रवार 13 मार्च 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

कुम्भ-2027 को लेकर सड़क व रेल यातायात से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा

– कुम्भ क्षेत्र में एनएच से जुड़ी परियोजनाओं को अविलंब पूरा करें : मेला अधिकारी

हरिद्वार(संवाददाता)। कुम्भ मेला-2027 के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए मेला प्रशासन ने सड़क एवं रेल यातायात से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की मुहिम शुरू कर दी है। इसी क्रम में मेला अधिकारी श्रीमती सोनिका ने गुरुवार को कुम्भ मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर), हर की पैड़ी में प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), रेलवे तथा सड़क निर्माण से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर कुम्भ क्षेत्र की सड़कों व चौराहों को सुधारने व संवारने तथा हरिद्वार और इसके निकटवर्ती सभी रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान कुम्भ मेला क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्यों, सड़क चौड़ीकरण, मरम्मत, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मेला अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण और सुधार कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि कुम्भ मेला-2027 के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मेला अधिकारी श्रीमती सोनिका ने कहा कि कुम्भ मेला विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति, सुचारु यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि कुम्भ क्षेत्र से होकर गुजरने वाले सभी राजमार्गों एवं प्रमुख चौराहों को अविलंब दुरुस्त किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी सड़कों पर ब्लैक टॉप किया जाए तथा मार्गों का सौंदर्यीकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और चौराहों का सुधार सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए स्पष्ट साइनेज तथा मार्गदर्शन से जुड़े सूचना बोर्ड लगाए जाएं, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को मार्ग ढूंढने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर, सुरक्षा संकेत तथा अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएं। मेला अधिकारी ने एनएचएआई के अधिकारियों को हरिद्वार-नजीबाबाद राजमार्ग तथा हरिद्वार रिंग रोड से जुड़े कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुम्भ मेले के दौरान यातायात प्रबंधन की सफलता काफी हद तक इन महत्वपूर्ण मार्गों पर निर्भर करती है, इसलिए इन परियोजनाओं पर युद्धस्तर पर कार्य किया जाए।

यातायात व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने एसपी सिटी को दिया ज्ञापन

– मोहब्बेवाला चौक पर सीसीटीवी व चंद्रबनी चौक पर ट्रैफिक सिग्नल स्थापित करें: कांग्रेस

देहरादून(संवाददाता)। कांग्रेस नेताओं ने राजधानी में बढ़ते जाम, ट्रैफिक समस्या को लेकर पुलिस प्रशासन से यातायात व्यवस्था दुरुस्तकरने की मांग की है। उन्होंने नए हॉटस्पाट बने मोहब्बेवाला चौक पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की। गुरुवार को कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने एसपी सिटी को ज्ञापन सौंपा और बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था का मुद्दा पुलिस के समक्ष उठाया। उन्होंने शहर के प्रमुख चौराहों पर सुरक्षा और यातायात प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। लालचंद शर्मा ने कहा कि शहर में तेजी से बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के कारण यातायात व्यवस्था लगातार चुनौतीपूर्ण हो रही है। मोहब्बेवाला चौक से ट्रांसपोर्ट नगर चौक तक का क्षेत्र भारी वाहनों की आवाजाही, ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं और यह चौक बेहद संवेदनशील बन चुका है। सोमवार को मोहब्बेवाला चौक के पास एक ओवरलोड ट्रक पलटने की घटना ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था की कमियों को उजागर किया है। प्रतिनिधिमंडल ने मोहब्बेवाला चौक पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी लगाने,चंद्रबनी चौक पर ट्रैफिक सिग्नल स्थापित करने, ओवरलोडिंग और ओवरस्पीड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की।कहा कि स्पीड मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन चालान व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए। आईएसबीटी देहरादून फ्लाईओवर के नीचे से निजी बसों के ठहराव और संचालन को बंद करने की मांग भी उठाई।

आभा आईडी से पर्चा बनवाएं, मोबाइल पर पाएं खून की रिपोर्ट

देहरादून(संवाददाता)। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अब मरीजों को अपनी खून की जांच रिपोर्ट लेने के लिए लंबी लाइनों में लगने या अस्पताल के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्राचार्य डॉ. गीता जैन व एमएस डॉ. आरएस बिष्ट की पहल पर अस्पताल में आभा आईडी के जरिए ऑनलाइन रिपोर्ट देने का ट्रायल पूरा कर लिया है और मरीजों को यह सुविधा मिलनी शुरू हो गई है। अस्पताल में पीओसीटी एजेंसी के सैंपल कलेक्शन काउंटर पर मरीजों के पर्चे को अब सीधे सैंपल के क्यूआर कोड से लिंक किया जा रहा है। शुरुआत में रोजाना 40 से 50 मरीजों को उनके मोबाइल पर ऑनलाइन रिपोर्ट भेजी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार...

अपनी शादी के लिए दून पहुंचे क्रिकेटर कुलदीप यादव

देहरादून(संवाददाता)। स्टार क्रिकेटर कुलदीप यादव गुरुवार को अपनी शादी समारोह के लिए दून पहुंच गए हैं। वह कुछ देर रायपुर स्थित सरबजीत कंपलेक्स हाथी खाना चौक रायपुर में क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के कार्यालय में पहुंचे। यहां उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड की सचिव किरण वर्मा, पूर्व सचिव महिम वर्मा समेत सीएयू के पदाधिकारी से मुलाकात की, इसके बाद में मसूरी के लिए रवाना हो गए। मसूरी के सवाई होटल किताब घर में 14 मार्च को उनका विवाह समारोह संपन्न होगा। इस समारोह में शामिल होने के लिए आईसीसी अध्यक्ष जैसा समेत भारतीय टीम के कई क्रिकेटरों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। कुलदीप यादव ने इस दौरान पत्रकारों से बातचीत नहीं कि उन्होंने कहा वह बीसीसीआई के कोड आफ कंडक्ट से बंधे हैं इसलिए कोई बात नहीं कर पाएंगे।

अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के बाहर जमाकर्ताओं का धरना जारी

देहरादून(संवाददाता)। अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले के खिलाफ जमाकर्ताओं का आंदोलन लगातार उग्र होता जा रहा है। बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में प्रभावित ग्राहक बैंक के बाहर धरने पर डटे रहे। धरने पर बैठे जमाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बैंक प्रशासन और आरबीआई की सुस्ती उनकी मानसिक प्रताड़ना बढ़ा रही है। कई बुजुर्गों की जीवनभर की गाढ़ी कमाई बैंक में फंसी है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द भुगतान की ठोस प्रक्रिया शुरू नहीं हुई, तो वे सामूहिक भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर होंगे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

ट्रंप ने पिछले एक वर्ष में दुनिया को हांका

देश-सभ्यता विशेष को व्यक्ति विशेष कितना तबाह कर देता है और संविधान, सुप्रीम कोर्ट कैसे देश बचाने की ढाल बनते हैं, इसका प्रमाण आज अमेरिका है। उस नाते अमेरिका के ढाई सौ साल और भारत की स्वतंत्रता, संविधान के आठ दशकों का क्या फर्क है? भारत ने कुछ ही दशकों में संविधान से सरकार को श्हम भारत के लोग्ध का माईबाप बना दिया। संस्थाएं बिना रीढ़ की हो गई। नतीजतन 140 करोड़ लोग खैरात से भय, भूख, भक्ति की जिंदगी जी रहे हैं।ठीक विपरीत ढाई सौ साल पुराने अमेरिकी संविधान को खंगालें तो एकमात्र डोनाल्ड ट्रंप वह राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने संविधान-संस्थाओं को बेशर्मी से ठेंगा दिखाया। संविधान के एक आपातकालीन प्रावधान के हवाले टैरिफ के वे मनमाने फरमान निकाले, जिससे दुनिया में त्राहिमाम हुआ। पर अमेरिका के नागरिकों ने ही इस मनमानी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी! और सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने (तीन विरोध में) बहुमत से दो टूक यह फैसला दिया, ट्रंप के टैरिफ अवैध हैं! दुनिया में कितने ऐसे सुप्रीम कोर्ट हैं, जिनके जजों में ऐसी रीढ़ की हड्डी है? ट्रंप ने भी पिछले कार्यकाल में अपने जज नियुक्त किए थे। उनमें से भी राष्ट्रपति के फैसलों को अवैध करार देने वाले जज थे। चीफ जस्टिस सहित सभी नौ जजों ने जांच-तौल में लिखे गए प्रावधानों की व्याख्या तर्कों के साथ की और साफ बहुमत से ट्रंप के फैसलों को अवैध करार दिया।ट्रंप का बौखलाना स्वाभाविक था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और जजों के खिलाफ विदेशी प्रभाव से लेकर कुत्ते जैसे जुमलों तक से हमला किया। और यह भी अमेरिकी संविधान की इस बुनियाद पर है कि नागरिक का मूलभूत अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता में कुछ भी कहने, यानी उसकी अभिव्यक्ति की आजादी का अबाध हक है। राष्ट्रपति डराएं, धमकाएं, कार्यपालिका को मनमाफिक चलाएं, सुप्रीम कोर्ट का जज न डरेगा, न चिंता करेगा। वह संविधान के प्रति प्रतिबद्धता में वही फैसला देगा जो संविधान का सत्य है और उसकी जो समझ या व्याख्या है।सरकार या राष्ट्रपति से डरना, या कानून मंत्रियों की दखलंदाजी का अमेरिकी न्यायपालिका में कोई अर्थ नहीं है। न्यायपालिका की वैसी ही पृथक सत्ता है जैसी विधायिका-संसद की अपनी पृथक स्वतंत्रता है, तो बतौर कार्यपालिका के प्रमुख राष्ट्रपति का पावर भी पृथक और स्पष्ट है। तभी सुप्रीम कोर्ट ने संविधान-प्रदत्त आपातकालीन प्रावधानों के हवाले ट्रंप के टैरिफ अवैध करार दिए तो ट्रंप ने फटाफट अपने दूसरे अधिकार से 15 प्रतिशत टैरिफ का नया आदेश निकाला। पर इस आदेश के टैरिफ पांच महीने ही मान्य रहेंगे। फिर संसद जाना पड़ेगा। इस प्रावधान में टैरिफ लगाने की सीमा पंद्रह प्रतिशत ही है। जाहिर है, ऐसा करके ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट की परवाह न करने, मतलब अपने अहंकार को फिर दर्शाया।

इससे बदनामी, भद्द किसकी हो रही है? पूरी दुनिया और खासकर यूरोप के असल लोकतांत्रिक देशों में किसकी वाहवाही है? अमेरिका और अमेरिकी संविधान की। ट्रंप की नाराजगी की बिना चिंता किए वैश्विक मीडिया और नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सत्ता के संतुलन की जीत बताया। मतलब कोर्ट ने कार्यपालिका (राष्ट्रपति) की सीमाओं को स्पष्टता से दर्शाया है कि अमेरिका में कोई भी शाखा अवैध रूप से अधिक शक्ति नहीं ले सकती। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, श्लोकतंत्र में पावर काउंटरवेट्स (जांच-तौल) आवश्यक हैं। कनाडा सरकार ने और हिम्मत दिखाई, श्तो टैरिफ गैरकानूनी साबित्! और तो और ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने संवैधानिक संतुलन (चेक-बैलेंस) के पक्ष में फैसला सटीक बताया।सोचें, दुनिया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कैसी राहत ली होगी? मन ही मन अमेरिका का कैसा मान बना होगा। आश्चर्य नहीं होगा यदि यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन आदि ट्रंप प्रशासन की दादागिरी में हुए व्यापार समझौते को खारिज करें या टाल दें। मंगलवार को ट्रंप संसद के साझा सत्र में श्स्टेट ऑफ द यूनियन्ध भाषण देंगे। उन्हें ठीक सामने बैठे सुप्रीम कोर्ट के जज भी सुनेंगे। संभव है यह मौका कुछ अनहोनी लिए हुए हो। नामुमकिन नहीं कि ट्रंप सामने बैठे जजों को भला-बुरा कहें। या उनके भक्त रिपब्लिकन सांसद बनाम डेमोक्रेटिक सांसदों में राजनीतिक भिड़ंत हो! राष्ट्रपति ट्रंप ने विधायिका यानी संसद पर भी दबिश बनाई हुई है। पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संसद के ही टैरिफ अधिकारों की पुष्टि है, तो सांसदों पर राष्ट्रपति के भड़भड़िया भाषण का विशेष असर नहीं होगा। लेकिन हंगामा तो संभव है।जो हो, मूल सवाल हैख अमेरिका का ऐसा बेजोड़ होना किस कारण से है? मेरा मानना है एकमेव वजह अमेरिकी नींव, संविधान है। और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका उन स्वतंत्रचेता मनुष्यों से निर्मित है जिनकी मूल वृत्ति (बेसिक इंस्टिंक्ट) आकाश में उड़ने, स्वतंत्रता से जीने तथा मन का कुछ करने का लक्ष्य होता है।

कैरियर पिजन सर्विस अभी भी जीवित

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 श्पिजन लॉफ्ट्स सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।

आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है ख श्कैरियर पिजन सर्विस्। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

श्कैरियर पिजन्स या श्होमिंग पिजन्स का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में श्पिजन नेटवर्क्स स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से श्पिजन पोस्ट्स शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में श्कैरियर पिजन्स्र ने जान भी बचाई, फ्रांस में श्चेर आमी्र नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए श्पिजन सर्विस्र चली आ रही थीलेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 श्पिजन लॉफ्ट्स सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के श्फ्लैश फ्लड्स्र में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए। सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक श्कैरियर पिजन्स्र उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की श्पिजन सर्विस्र की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।

1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के श्सुपर साइक्लोन्ध में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। श्बेल्जियन होमर्स नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो श्लॉफ्ट्स अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 श्बेल्जियन होमर पिजन्स्र और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की।

आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, ष्यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है।ष गौरतलब है कि सीएजी ने इसकी लागत पर आपत्ति जताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने साफ कहा, ष्विरासत को बचाओ।यह सेवा हमें सिखाती है कि प्रगति का मतलब पुरानी चीजों को फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें संभाल कर रखना है। आज युवा पीढ़ी स्मार्टफोन पर जीती है, लेकिन जब वे इन कबूतरों को उड़ते देखते हैं तो इतिहास जीवंत हो उठता है। ऐसे में यदि स्कूलों-कॉलेजों व अन्य कार्यकर्मों में इनका प्रदर्शन करवाया जाए, तो न सिर्फ नई पीढ़ी को बरसों पुरानी विरासत जानने का मौका मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ड्रोन और सैटेलाइट के युग में भी ये पंख वाले डाकिया हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति की शक्ति आज भी अजेय है।ओडिशा पुलिस की यह पहल दुनिया के लिए मिसाल है। अमेरिका, यूरोप या एशिया की कोई अन्य पुलिस फोर्स आज ऐसा नहीं कर रही। यह सिर्फ ओडिशा का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत है। हमें इसे और मजबूत करना चाहिए। ज्यादा श्लॉफ्ट्स, ज्यादा प्रशिक्षण, ज्यादा जागरूकता किया जाए। क्योंकि संचार सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि विश्वास और विश्वसनीयता का मामला है। जब आधुनिक दुनिया इंस्टेंट मैसेजिंग पर निर्भर है, तब ये उड़नहार संदेशवाहक हमें सिखाते हैं ख कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं होतीं, वे सिर्फ विरासत बन जाती हैं। ओडिशा पुलिस की श्कैरियर पिजन सर्विस्र इसी विरासत का जीवंत प्रतीक है। इसे बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन पंखों की उड़ान में इतिहास को महसूस कर सकें।

संक्षिप्त समाचार...

नॉर्थ ईस्ट के छात्रों ने एसएसपी से मांगा अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहयोग

देहरादून(संवाददाता)। नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को जिले के नए एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल से मिला। मुलाकात का मुख्य एजेंडा पूर्वोत्तर के छात्रों की सुरक्षा और उनके सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पुलिस से सहयोग की मांग रहा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने एसएसपी से कहा कि देहरादून के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पूर्वोत्तर के हजारों छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं। छात्रों ने पुलिस से अपील की कि वे अपनी अनूठी लोक-संस्कृति को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों के साथ उसे साझा करने के लिए अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं। इन आयोजनों को सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के लिए उन्होंने दून पुलिस से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा जताई है। एसएसपी ने भरोसा दिलाया कि दून पुलिस पूर्वोत्तर के सभी छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि छात्रों के अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किए जाने वाले किसी भी कार्यक्रम में पुलिस उन्हें हर संभव सहयोग और सुरक्षा प्रदान करेगी।

एसटीएफ ने 42 लाख की हेरोइन के साथ तस्कर दबोचा

देहरादून(संवाददाता)। एसटीएफ की एएनटीएफ और बसंत विहार थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बुधवार देर रात एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 144 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद हुई है। बरामद नशा सामग्री की कीमत 42 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि बुधवार रात बसंत विहार के ऋषि विहार तिराहे से मेहूंवाला जाने वाली रोड से बाइक सवार एक युवक को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान आरोपी की पहचान गुफरान मूल निवासी कोट खादर, जिला बिजनौर, हाल निवासी आजाद कॉलोनी, पटेल नगर के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह यह खेप पटेलनगर निवासी तरुण पाल उर्फ चीनू से लाया था। जिसे फुटकर में बेचने की फिराक में था। आरोपी के खिलाफ बसंत विहार थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब मुख्य सप्लायर तरुण की तलाश कर रही है। एसएसपी ने कहा कि किसी के पास नशा तस्करी की जानकारी है तो एसटीएफ को 0135-2656202 या 9412029536 पर दें।

अदालतों का बोझ घटाने को सरकार की पहल, 'प्ली बार्गेनिंग' का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा

देहरादून(संवाददाता)। भारत सरकार द्वारा न्याय प्रणाली को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने तथा अदालतों में लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत 'प्ली बार्गेनिंग' का प्राविधान किया गया है। इस संबंध में केन्द्रीय गृह सचिव द्वारा सभी मुख्य सचिवों को प्रेषित पत्र का उल्लेख करते हुए संयुक्त सचिव, उत्तराखण्ड शासन गजेन्द्र सिंह कफलिया द्वारा प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग, निदेशक राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, अपर निदेशक अभियोजन निदेशालय के साथ संयुक्त निदेशक विधि विज्ञान प्रयोगशाला उत्तराखण्ड को प्रेषित पत्र में अपेक्षा की गई है कि जनहित में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत 'प्ली बार्गेनिंग' के प्राविधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाय, ताकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत 'प्ली बार्गेनिंग' के प्राविधानों को और अधिक गति मिल सके तथा न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सरल, त्वरित और प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया है कि इस संहिता के अन्तर्गत किए गए नवीन प्रावधानों का मुख्य उद्देश्य न्याय प्रणाली में सुगमता लाना एवं अदालतों पर लंबित मुकदमों के दबाव को कम करना है। इसके तहत न्याय प्रणाली में गतिशीलता लाने के लिए 7 वर्ष से कम कारावास की सजा वाले प्रकरणों में आरोप तय होने के 30 दिनों के भीतर आरोपी को 'प्ली बार्गेनिंग' के लिए आवेदन प्रस्तुत करने का वैधानिक अधिकार प्रदान किया गया है।

गैस की कालाबाजारी की तो होगी जेल

देहरादून(संवाददाता)। राजधानी में गहराते रसोई गैस संकट के बीच पूर्ति विभाग ने कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। पूर्ति विभाग पुलिस के सहयोग से जिले भर में विशेष छापेमारी अभियान चलाने जा रहा है। विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि यदि कोई भी गैस की कालाबाजारी या घरेलू सिलेंडरों का कमर्शियल उपयोग करते पाया गया, तो उसके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल जाने तक का प्रावधान है। डीएसओ केके अग्रवाल ने बताया कि जो लोग कमर्शियल गैस की किल्लत का फायदा उठाकर कई होटल और रेस्टोरेंट संचालक घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर राज्य में खाद्य एवं रसद व्यवस्था की सतत निगरानी के लिए अधिकारियों की विशेष तैनाती

देहरादून(संवाददाता)। वैश्विक परिदृश्य में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने खाद्य एवं रसद आपूर्ति की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र (ैम्व्ब्), देहरादून में विभिन्न अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक की गई है। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही खाद्य एवं रसद से संबंधित सूचनाओं का नियमित संकलन, उनका विश्लेषण तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार तैनात अधिकारी एवं विशेषज्ञ उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। वे प्रतिदिन खाद्य एवं रसद की स्थिति की समीक्षा करेंगे, आवश्यक सूचनाओं का संकलन एवं विश्लेषण करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति में खाद्यान्न, एलपीजी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए तथा स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जाए।मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार सभी व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। राज्य सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम से प्रदेश में खाद्य एवं रसद आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी तथा किसी भी संभावित आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में सहूलियत मिलेगी।

दुष्कर्म के आरोपी ने घर में घुसकर पीड़िता को धमकाया

देहरादून(संवाददाता)। शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के एक आरोपी ने मुकदमे में समझौता करने का दबाव डालते हुए पीड़िता को उसके ही घर में बंधक बना लिया। आरोपी ने पीड़िता और उसकी तीन साल की मासूम बेटी को जान से मारने की धमकी दी है। पटेलनगर कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में पीड़िता ने बताया कि प्रेमनगर निवासी तुषार प्रजापति ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए थे। इस मामले में पटेलनगर थाने में दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज है और आरोपी फिलहाल हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत पर है। इसके अलावा परिवार न्यायालय में भी दोनों के बीच एक वाद विचाराधीन है।

तकनीकी नवाचार से बढ़ेगी उद्यमिता की रफ्तार

देहरादून(संवाददाता)। ग्राफिक एरा में तकनीक को बीआईएस मानकों से जोड़ने पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरू हो गई है। कार्यशाला के पहले दिन विशेषज्ञों ने उद्यमिता में मानकों की भूमिका, नई तकनीकों के प्रयोग और गुणवत्ता मानकों के महत्व की जानकारी दी। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी में मानक आधारित तकनीकी नवाचार विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति नरपिंदर सिंह ने कहा कि समय के साथ ज्ञान को अपडेट करना आवश्यक है, क्योंकि कंपनियां उन युवाओं को अवसर देती है जो नवीनतम तकनीकी नवाचारों से परिचित होते हैं। उन्होंने कहा कि शोध पत्र नई तकनीक को समझने और तकनीकी इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय मानक ब्यूरो, देहरादून के निदेशक सौरभ तिवारी ने कहा कि नवाचार और तकनीक के साथ मानकों का समन्वय भारत में उद्यमिता के तेज विकास का सेतु बन सकता है। अशोक लेलैंड के सीनियर मैनेजर राघवेंद्र लाल ने कहा कि बड़े पैमाने पर उत्पादन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए मानक, तकनीक और नवाचार का समन्वय आवश्यक है। इस दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागियों को उद्यमिता में मानकों की समझ, गुणवत्ता मानकों के महत्व और स्टार्टअप व शोध की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की की प्रोफेसर डॉ अनुराग कुलश्रेष्ठ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के हेड डॉ कपिल शर्मा, डॉ देशबंधु सिंह, डॉ राकेश चंदमाल शर्मा, अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

महंगी बिजली और विभाग की कार्यप्रणाली के विरोध में कांग्रेस का धरना

हरिद्वार(संवाददाता)। जिला महानगर कांग्रेस कमेटी ने भूपतवाला स्थित दूधिया बंद बिजलीघर पर महंगी बिजली और ऊर्जा निगम की कार्यप्रणाली के विरोध में गुरुवार को धरना देकर प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने सरकार पर आम जनता पर आर्थिक बोझ डालने का आरोप लगाते हुए बिजली बिलों में राहत देने की मांग की।धरने को संबोधित करते हुए जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि उत्तराखंड बिजली

उत्पादन करने वाला प्रदेश होने के बावजूद यहां की जनता को महंगी बिजली दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने इस वर्ष बिजली के बिलों में छूट नहीं दी। इससे आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि महज पांच हजार रुपये का बिल जमा न करने पर उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। चेतावनी दी कि यदि विभाग ने रवैया नहीं बदला तो आंदोलन किया जाएगा।जिला महानगर कांग्रेस महासचिव कैलाश भट्ट और अजय गिरी ने कहा कि बिजली विभाग के कुछ कर्मचारी और अधिकारी आम लोगों से दुर्व्यवहार कर रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला महानगर कांग्रेस महासचिव राजीव भार्गव और तरुण व्यास ने कहा कि अन्य राज्यों में लोगों को कई यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है। उत्तराखंड में जनता को महंगी बिजली देकर सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। पार्षद महावीर वशिष्ठ और पार्षद हिमांशु गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार में आमजन सस्ती बिजली के लिए तरस रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली बिलों में राहत न देकर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह केवल उद्योगपतियों के हित में काम कर रही है।एनएसयूआई महानगर अध्यक्ष याज्ञिक वर्मा और यूथ कांग्रेस जिला महासचिव शुभम जोशी ने कहा कि महंगी बिजली से आम लोग परेशान हैं। आने वाले समय में जनता इस सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुकी है। धरना-प्रदर्शन में विमल शर्मा साटू, ओम मलिक, करन सिंह राणा, ऋषभ वशिष्ठ, गौरव गोस्वामी, नागेश रावत, रितेश पांडेय, मोहित अरियाल शर्मा, डुंगर सिंह, ऋषभ गिरी, राहुल पाठक, अनिल ठाकुर, सत्यम शर्मा, तरुण बेरी, मनीष कौशल, योगेश त्यागी, जतिन बब्बर और विकास शर्मा आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

किसान दिवस में छाया रहा जंगली जानवरों का मुद्दा

नई टिहरी(संवाददाता)। ब्लॉक सभागार में डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसानों ने जंगली जानवरों से फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। किसानों ने बताया कि बंदर, जंगली सूअर और अन्य वन्यजीव लगातार खेतों में घुसकर फसलों को नष्ट कर रहे हैं, जिससे खेती करना कठिन होता जा रहा है। किसानों का कहना था कि मेहनत और लागत लगाने के बावजूद फसल सुरक्षित नहीं रह पा रही है, जिससे आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। किसानों ने खेतों की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय किए जाने की मांग की। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि जिला योजना के माध्यम से कई ग्राम पंचायतों में तारबाड़ का कार्य कराया जा रहा है। हालांकि जाल, एंगल और सीमेंट-कंक्रीट के कार्यों में अधिक खर्च आने के कारण सीमित क्षेत्र में ही यह काम हो पा रहा है। इस पर डीएम खंडेलवाल ने सुझाव दिया कि खेती की सुरक्षा के लिए तार और एंगल कृषि विभाग के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएं, जबकि सीमेंट-कंक्रीट का कार्य ग्राम पंचायत और क्षेत्र पंचायत के माध्यम से किसी भी योजना के तहत कराया जा सकता है। इससे अधिक गांवों और किसानों को इसका लाभ मिल सकेगा।रमोलसारी गांव के प्रधान कमल चौहान ने बताया कि उनके गांव में अधिकांश भूमि सिंचित है। गेहूं, धान, राजमा, हल्दी, दलहन, नींबू और मौसमी सब्जियों का उत्पादन होता है, लेकिन जंगली जानवर अक्सर फसलों को नष्ट कर देते हैं। इससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। वहीं बैलगांव के पूर्व प्रधान पवन सिंह ने बताया कि क्षेत्र में दलहन की खेती की जाती है, लेकिन जानकारी के अभाव में कई बार फसलें रोगों का शिकार हो जाती हैं। उन्होंने समय पर दवा उपलब्ध कराने और किसानों को प्रशिक्षण देने की मांग की। कृषि विभाग के वैज्ञानिकों ने किसानों को फसलों को रोगों से बचाने के उपायों और आधुनिक खेती के तरीकों की जानकारी दी। किसानों को तकनीकी और वैज्ञानिक रूप से सक्षम बनाने तथा आय बढ़ाने के लिए भी सुझाव दिए। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र भंडारी, पूर्व प्रमुख जोत सिंह बिष्ट, ज्येष्ठ उपप्रमुख सुनीता राणा, कनिष्ठ प्रमुख सविता बनाली, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री मुलायम सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य सुनील जुयाल, खंड विकास अधिकारी स्नेह नेगी आदि मौजूद रहे।

ग्राम सभाओं की खुली बैठकों से आए प्रस्तावों से बनेंगी सिंचाई गूल

नई टिहरी(संवाददाता। सिंचाई गूलों के निर्माण के लिए ग्राम सभाओं की खुली बैठकों से प्राप्त प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ जिला योजना में शामिल किया जाएगा। डीएम प्रशांत आर्य ने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग इस बार जिला योजना में ऐसी योजनाएं शामिल करें जिनसे किसानों को सीधे लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने बृहस्पतिवार को लघु सिंचाई एवं लघु डाल खंड विभाग के अंतर्गत संचालित कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि किसान आजीविका की रीढ़ हैं।

टिहरी के अस्पतालों को जल्द मिलेंगे 21 नए डॉक्टर, छह ने किया ज्वाइन

नई नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी जिले के सरकारी अस्पतालों को जल्द ही 21 नए डॉक्टर मिलने वाले है। इसमें से छह ने छह डॉक्टरों की तैनाती की जा चुकी है। इसके बाद भी जिले में 12 डॉक्टरों के पद रिक्त चल रहे है। महिला रोग विशेषज्ञ और रेडियोलॉजिस्ट की जिले में सबसे अधिक कमी बनी हुई है। टिहरी जिले में डॉक्टरों के कुल 234 पद स्वीकृत है। इसके सापेक्ष वर्तमान में 201 डॉक्टर कार्यरत है। जिले में 21 नए डॉक्टरों की तैनाती होने से यह संख्या बढ़कर 222 तक पहुंच जाएगी। सीएमओ डॉ. श्याम विजय सिंह ने बताया कि जिले को जो नए 21 डॉक्टर मिलने जा रहे है उसमें से छह डॉक्टरों ने जिले में ज्वाइन कर लिया है। शेष 15 डॉक्टर भी आगामी एक सप्ताह के अंतर्गत कार्यभार ग्रहण कर लेगे। नए डॉक्टरों को दूरस्थ अस्पतालों में तैनाती दी जा रही है। जिले में महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों और रेडियोलाजिस्ट की सबसे अधिक कमी बनी हुई है। फिलहाल एक ही रेडियोलाजिस्ट कार्यरत है। जो तीन दिन जिला अस्पताल बौराड़ी और तीन दिन उप जिला अस्पताल नरेंद्रनगर में सेवाएं देते है। सीएमओ का कहना है कि रेडियोलाजिस्ट की तैनाती के लिए स्वाथ्य निदेशालय से प्रस्ताव मांगा गया है। महिला रोग विशेषज्ञ के 21 पद स्वीकृति है। इसके सापेक्ष वर्तमान में 8 ही कार्यरत है। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें

एलपीजी गैस पर सदन में हंगामा, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के आदेश

चमोली(संवाददाता)। विधानसभा सत्र के चौथे दिन सदन में एलपीजी आपूर्ति के मुद्दे पर हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने पीठ से सरकार को एलपीजी की कालाबाजारी रोकने पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। सदन में चर्चा न करने पर विपक्ष ने विरोध किया। इससे सदन की कार्यवाही 45 मिनट तक स्थगित रही। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने नियम 310 पर प्रदेश में गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी और जमाखोरी का मुद्दा उठाया। विस अध्यक्ष ने इस सूचना को नियम 58 में भोजनावकाश के बाद सुनने का विनिश्चय दिया। तीन बजे सत्र शुरू होने पर संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने एलपीजी की आपूर्ति केंद्र सरकार का विषय है। लिहाजा इस पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान में जिस तरह की परिस्थिति है, उससे केंद्र सरकार ने व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोक लगाई है। घरेलू एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है।सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने चर्चा की मांग करते हुए विरोध किया। विपक्ष ने कहा पीठ से जब नियम 310 पर विनिश्चय दिया गया तो सरकार चर्चा करने से क्यों भाग रही है। प्रदेश भर में एलपीजी गैस के लिए लाइनें लग रही है। लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट संचालकों को एलपीजी सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। पक्ष व विपक्ष के बीच बहस होने से सदन की कार्यवाही 45 मिनट के स्थगित हुई। संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को एलपीजी की कालाबाजारी पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। नैनीताल जिले में तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई।विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने पीठ से कहा कि गैस एक बहुत एसेंशियल कमोडिटी है इसलिए सरकार और प्रशासन को किसी प्रकार की जमाखोरी, डायवर्जन और ब्लैक मार्केटिंग के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए, इसका सरकार ध्यान रखें। आम जनता को आवश्यक वस्तुओं की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए इस विषय पर विशेष सतर्कता बरती जाए।हमारे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और राज्य में अफरा तफरी का माहौल न हो। कहीं कोई दिक्कत नहीं है। मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक की है। राज्य में स्थिति नियंत्रण में है। यह किसी एक राज्य व देश की चुनौती नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी व्यवस्था सुनिश्चित की हैं। एलपीजी की कालाबाजारी पर पूरी नजर रखे हैं।-पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावितों का धरना जारी

नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावितों की फ्री बिजली-पानी उपलब्ध करने की मांग के लिए 13 वें दिन धरना जारी रहा। धरने पर बैठे लोगों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते शीघ्र मांगों के निराकरण की मांग उठाई। बौराड़ी के गणेश चौक में धरने की अगुवाई कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी ने कहा कि बांध विस्थापित और प्रभावित को टिहरी बांध से मिलने वाली 12 प्रतिशत रायल्टी की धनराशि से निशुल्क बिजली-पानी मिलना चाहिए। कहा कि हनुमंत राव कमेटी में टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावित को निशुल्क बिजली पानी दिए जाने का उल्लेख भी है। रायल्टी पर पहला अधिकारी टिहरी जिले का है। बताया आंदोलन को तेज करने के लिए नई टिहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से संपर्क किया जा रहा है। मांग शीघ्र पूरी नहीं होती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर मधु शर्मा, प्रतिमा रावत, रेखा नेगी, विनिता नेगी, रुकमा परमार, भगवान देई, विकास पंवार, देवांक चमोली, अजय पंवार, गबर सिंह रावत, मोघ परवेज, अब्दुल शफीक, फिरोज खान, अफजल बेग, बुद्धिपाल सिंह आदि मौजूद थे।

गूल मरम्मत और घेरबाड़ करने की किसानों ने डीएम से लगाई गुहार

नई टिहरी(संवाददाता)। डीएम नितिका खंडेलवाल ने ग्राम कोटीगाड़ के नौलीखाला नामे तोक में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए जिला योजना से निर्मित चेन लिंक फेंसिंग (घेरबाड़) कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि घेरबाड़ की कुल लंबाई 226.10 मीटर है, जिसके लिए गत वित्तीय वर्ष में जिला योजना से साढ़े 6 लाख रुपये स्वीकृत हुए थे। इस फेंसिंग से गांव की लगभग 8 हेक्टेयर भूमि सुरक्षित हुई है। ग्रामीणों ने सिंचाई गूल की मरम्मत और शेष स्थानों पर घेरबाड़ कराने की मांग की, जिस पर डीएम ने इसे जिला योजना में प्रस्तावित कर कार्य कराने का आश्वासन दिया। कृषि विभाग द्वारा इसी तोक में 1 एकड़ भूमि पर लाइनिंग सिस्टम से गेहूं की बुवाई भी की गई है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने किसानों को इस विधि से गेहूं की खेती के लिए प्रेरित करने और खाद-बीज समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शीला देवी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने को लेकर हुआ साहित्यिक कार्यक्रम

नई टिहरी(संवाददाता)। राजकीय महाविद्यालय खाड़ी के हिंदी विभाग की ओर से छात्र-छात्राओं में हिंदी साहित्य में प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० एके सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा को समृद्ध बनने और आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से हिंदी भाषीय कार्यक्रमों में बढ़कर प्रतिभाग करने को कहा। डॉ० ईरा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को मंच पर अपनी प्रतिभा रखने और हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने का मौका मिलता है। छात्रा उर्मिला, मीनाक्षी, आयुशी, निधि, छात्र विपिन ने हिंदी के प्रसिद्ध कवियों की रचनाओं और हिंदी साहित्य में उनके योगदान पर अपने विचार रखे। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने कविताओं का वाचन भी किया।

लंबगांव महाविद्यालय का एनएसएस शिविर शुरू

नई टिहरी(संवाददाता)। स्व फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय लंबगांव का सात दिवसीय एनएसएस शिविर का महाविद्यालय प्राचार्य प्रो० राकेश कुमार ने दीप जलाकर शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ. कुमार ने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सामाजिक सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता विकसित करना है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुजा रावत ने शिविर में सात दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा बताई। कहा कि इस दौरान स्वयं सेवी स्वच्छता अभियान, पौध रोपण, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य,नशा मुक्ति को लेकर जन जागरूकता अभियान और रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक करेंगे। कार्यक्रम सह संयोजक बलबीर सिंह चौहान ने स्वयं सेवकों को राष्ट्र सेवा का संकल्प की शपथ दिलाई। इस मौके पर डॉ० एसके पांडे, प्रियंका डिमरी, प्रदीप रावत, मधु देवी, सोबन सिंह, मकान सिंह लोकेश सिंह आदि मौजूद थे।

बीमार महिला को डंडी से पांच किमी पैदल चलकर पहुंचाया अस्पताल

चमोली(संवाददाता)। ब्लॉक के ऐठा गांव में कई प्रयास के बाद भी सड़क नहीं बनी है। जिसके चलते ग्रामीणों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। गुरुवार को ग्रामीण एक बीमार महिला हिमांती देवी को डंडी से पांच किमी पैदल चलकर अस्पताल लाए। बता दें कि 2021 में स्वीकृत आठ किमी सड़क का निर्माण नहीं हो पाया। अनुसूचित जाति वाहुल्य गांव ऐठा में सड़क नहीं होने का खामियाजा ग्रामीण भुगत रहे हैं। गांव में सड़क नहीं होन से स्कूल के बच्चों को भी हर रोज जोखिम भरे पहाड़ी रास्तों से गुजरना पड़ता है। बृहस्पतिवार को बीमार महिला हिमांती देवी पत्नी खड़क राम को ग्रामीण डंडी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवाल लाए।

हल्द्वानी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी

हल्द्वानी (संवाददाता)। जनपद में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत हल्द्वानी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टी.सी. के निर्देशन में पुलिस टीम ने एक शातिर अंतर्राज्यीय चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और अवैध पिस्टल बरामद की है।10 मार्च 2026 को हीरानगर निवासी प्रकाश कविदयाल ने अपने घर के सामने से पल्सर मोटरसाइकिल (न्ज़ 04 ज्ञ 6143) चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद 11 मार्च को राजपुरा निवासी सुमित मार ने अपनी दुकान से चार मोबाइल फोन चोरी होने की शिकायत पुलिस को दी।दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को पकड़कर पूछताछ की, जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कवि बिष्ट (33 वर्ष) पुत्र कुन्दन सिंह निवासी गोलू माजरा डेरावसी, थाना डेरावसी, मोहाली (चंडीगढ़) के रूप में हुई है।पुलिस ने उसके कब्जे से01 चोरी की पल्सर मोटरसाइकिल04 मोबाइल फोन (03 वीवो, 01 सैमसंग)01 देशी पिस्टल (.32 बोर)02 जिंदा कारतूसबरामद किए हैं।गिरफ्तारी के दौरान अवैध हथियार मिलने पर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत एक और मुकदमा दर्ज किया गया है।

कई राज्यों में दर्ज हैं मुकदमे पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी एक पेशेवर अपराधी है और उसके खिलाफ उत्तराखंड, चंडीगढ़ और हरियाणा (पंचकुला) के विभिन्न थानों में चोरी, लूट और झपटमारी के 14 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस टीम की मुस्तैदी इस पूरी कार्रवाई को एसपी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के निर्देशन,सीओ हल्द्वानी अमित कुमार सैनी के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह मेहता के नेतृत्व में अंजाम दिया गया।

सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक केएस चौहान ने मीडियाकर्मियों से बैठक करके समस्याओं को जाना

हल्द्वानी (संवाददाता)। संयुक्त सूचना निदेशक केएस चौहान के द्वारा मीडिया सेंटर हल्द्वानी में जिले भर के पत्रकारो के साथ एक बैठक में परिभाग किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा प्रदेश के पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिये निर्देशित किये जाने के उपरांत सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी के निर्देश पर गुरुवार को मीडिया सेंटर हल्द्वानी में सूचना एवं लोक जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त निदेशक के. एस.चौहान के द्वारा जनपद नैनीताल के पत्रकारों के साथ बैठक करके उनकी समस्याओं को जाना गया व उनकी समस्याओं के शीघ्र ही विभाग व शासन स्तर पर निराकरण के लिये आश्वस्त किया गया। इस मौके पर मीडियाकर्मियों ने श्री चौहान के समक्ष पत्रकारो की चिकित्सा सुविधा, पत्रकार मान्यता दिये जाने, मान्यता प्राप्त पत्रकारो को ऋण योजना दिए जाने, मान्यता प्राप्त पत्रकारों को राज्य अथिति गृहो में तत्काल आरक्षण की व्यवस्था लागू, उच्च शिक्षा में पत्रकारों के बच्चों को आरक्षण दिये जाने, मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिये पूर्व के लागू रेलवे आरक्षण पुनः शुरू किये जाने, टोल प्लाजाओं में मान्यता प्राप्त पत्रकारों को छूट दिये जाने सहित कई मुद्दों को रखा गया। श्री चौहान के द्वारा सूचना विभाग के स्तर पर निस्तारित होने वाली समस्याओं का जल्द ही समाधान किये जाने व अन्य विभागों के स्तर की समस्याओं के निस्तारण के लिए पत्राचार किये जाने का आश्वासन दिया। बैठक का संचालन जिला सूचना अधिकारी गिरिजा शंकर जोशी के द्वारा किया गया।

ऊंचापुल चौराहे के चौड़ीकरण का कार्य शुरू

हल्द्वानी (संवाददाता)। लंबे समय से जाम और अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहे ऊंचापुल चौराहे के चौड़ीकरण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। प्रशासन की कार्रवाई के तहत अतिक्रमण की जद में आई बिल्डिंगों को तोड़ा जाना शुरू कर दिया गया है।गुरुवार को प्रशासन और नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और चिह्नित भवनों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। चौड़ीकरण योजना के तहत सड़क की सीमा में आ रही कई दुकानों और भवनों को हटाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में लंबे समय से लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऊंचापुल चौराहा शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में से एक है, जहां दिनभर यातायात का भारी दबाव रहता है। सड़क संकरी होने और अतिक्रमण के कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति बनती थी।प्रशासन द्वारा पहले ही प्रभावित भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर दिया गया था। अधिकारियों का कहना है कि चौड़ीकरण कार्य पूरा होने के बाद यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और शहर के इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवागमन अधिक सुगम हो सकेगा। प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि शहर के विकास और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह कार्रवाई आवश्यक है।

पुलिस ने दोनों ब्लॉगरों को किया गिरफ्तार.....

आपसी लड़ाई आई सड़क पर, बेशर्मी की सभी हदे पार,

हल्द्वानी (संवाददाता)। /हल्द्वानी की व्लॉगर्स ज्योति अधिकारी और सुनीता भट्ट है। सोशल मीडिया पर आरोप है कि सुनीता भट्ट सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ आपत्तिजनक और व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रही हैं। जिससे वो मानसिक रुप से परेशान हैं। वहीं सुनीता भट्ट का

काफी एक्टिव भी हैं। दोनों के बीच पिछले कई दिनों से इंटरनेट पर जुबानी जंग चल रही थी। अब ये लड़ाई सीध े सड़क पर उतर आई। यह दोनों खुद सरेआम मर्यादा की धज्जियां उड़ाते नजर आए। अब ये दोनों व्लॉगर्स आपस में क्यों लड़ रहे है। चलिए शुरुआत से ये पूरा मामला जान लेते है।जानकारी के मुताबिक ज्योति अधिकारी का कहना है कि ज्योति जबरदस्ती उन्हें अपने साथ जोड़कर विवाद खड़ा कर रही हैं।भट्ट के बीच लड़ाईज्योति पहले अपने परिवार के साथ हल्द्वानी कोतवाली पहुंची और वहां उन्होंने सुनीता भट्ट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।लेकिन शिकायत के बाद भी ज्योति अधि कारी का गुस्सा शांत नहीं हुआ। इसके बाद ज्योति अधिकारी सीधा चौपाटी बाजार पहुंच गई। जहां सुनीता भट्ट का स्टॉल लगा हुआ था। दोनों के बीच पहले बहस शुरु हुई। फिर गालीगलौज और देखते ही देखते बात हाथापाई तक पहुंच गईइस सब के बीच महिला पुलिसकर्मियों ने बीच बचाव की कोशिश की तो ज्योति अधिकारी ने उन महिला पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का मुक्की की। ये पूरा तमाशा वहां मौजूद बाकी व्लॉगर्स सोशल मीडिया पर लाइव आकर लोगों को दिखा रहे थेइस ड्रामें को देखकर पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने साफ कर दिया है कि सड़क पर ऐसे अराजकता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लिहाजा हुआ ये कि पुलिस ने शांति भंग की धारा में ज्योति अधिकारी और सुनिता भट्ट को हिरासत में ले लिया। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है।

आपको याद दिला दें की ये पहली बार नहीं है जब ज्योति अधिकारी विवादों में हैं। ज्योति अधिकारी का विवादों से पुराना नाता है।

सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण एकत्रित हुए

रामनगर (संवाददाता) रामनगर में वन ग्रामों को राजस्व ग्राम का दर्जा व मालिकाना हक दिए जाने आदि मांगो को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी के नेतृत्व में पीएनजी पीजी महाविद्यालय रामनगर के बाहर सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण एकत्रित हुए। वहां से जुलूस प्रारंभ कर रानीखेत रोड,मोहल्ला खताडी होते हुए, तहसील रामनगर तक वन ग्रामों के ग्रामीणों के साथ निकाला गया।तहसील परिसर रामनगर में बैठकर एक सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया और एक ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ध ामी को भेजा है।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि वर्तमान की भाजपा सरकार लोगों का घर उजाड़ने का कार्य कर रही है, यह सरकार वन ग्रामों को जड़ से खत्म करना चाहती है इस भाजपा सरकार द्वारा अतिक्रमण के नाम पर रामनगर में पूछड़ी गांव में बुलडोजर चला कर लोगों का घर उजाड़ा गया।वर्तमान सरकार के नेताओं द्वारा चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं जीतने के बाद अपने वादे पूरे नहीं किए जाते वर्तमान सरकार की निगाहों में आज गरीब खटक रहा है इसलिए उसे बेघर किया जा रहा है। इस सरकार द्वारा भूमि को पूंजीपतियों को लीज पर देकर मुनाफा कमाया जा रहा है. कांग्रेस सरकार द्वारा कभी किसी गरीब का घर उजाड़ने का कार्य नहीं किया गया।वर्तमान की भाजपा सरकार डेमोग्राफी चेंज होने की बात कहकर जनता में भ्रम फैला रही है और गरीबों के घरों को तोड़ रही है।भाजपा सरकार को वन अधिकार कानून का अनुसरण करना चाहिए और वन ग्रामो को उनका अधिकार देना चाहिए। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी,नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व दर्जा राज्यमंत्री पुष्कर दुर्गापाल, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉक्टर निशांत पपने,मालिकाना संघर्ष समिति के अध्यक्ष एस लाल,ग्राम प्रधान संगठन रामनगर अध्यक्ष नवीन सती,प्रधान रचना रावत,प्रधान तनुप्रिया,युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी, कांग्रेस नेता ताइफ खान, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अब्दुल रहमान,सभासद तनुज दुर्गापाल, सभासद सचिन कुमार, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ललित कड़ाकोटी,उस्मान सिद्दीकी, गोपु अधिकारी आदि सैकड़ों की तादाद में लोग मौजूद रहें।

सुप्रसिद्ध गायक विशाल मिश्रा ने पहुंचकर नीब करौरी बाबा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया

नैनीताल (संवाददाता)। /विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम में सुप्रसिद्ध गायक विशाल मिश्रा ने पहुंचकर नीब करौरी बाबा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। नैनीताल जिले की शांत वादियों के बीच स्थित इस पवित्र धाम में पहुंचकर गायक ने आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया और स्वयं को सौभाग्यशाली बताया।दर्शन के बाद विशाल मिश्रा ने कहा कि उत्तराखंड में उन्हें कहीं भी यात्रा के दौरान असुविधा या यातायात संबंधी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं व पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतरीन व्यवस्था की गई है।गायक ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल निर्देशन में और पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधा के लिए सराहनीय कार्य कर रही है।इस दौरान विशाल मिश्रा ने वहां तैनात पुलिस कर्मियों के अनुशासित और सहयोगात्मक व्यवहार की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसी सकारात्मक व्यवस्था से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुकून भरा माहौल मिलताहै।माहौल को और भी खास बनाते हुए गायक ने अपने लोकप्रिय गीत “संदेशे आते हैं, हमें तड़पाते हैं”की कुछ पंक्तियाँ गाकर पुलिस कर्मियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे वहां मौजूद सभी लोग भावुक और उत्साहित हो उठे।

तीन दिवसीय विज्ञान संचेतना कार्यशाला का शुभारंभ

रामनगर (संवाददाता)। विकासखंड संसाधन केंद्र पीरुमदारा में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भीमताल के तत्वाधान में तीन दिवसीय विज्ञान संचेतना कार्यशाला का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी रामनगर हवलदार प्रसाद द्वारा किया गया।प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की बच्चों में विज्ञान की अवधारणा विकसित करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण हैं।कार्यशाला में राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय के 67 बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं रुचि उत्पन्न करना है जिसमें भौतिक, रसायन एवं जीव विज्ञान के विभिन्न संबोध ो पर कार्य किया जाएगा। इस दौरान कार्यशाला में डाइट भीमताल के वरिष्ठ प्रवक्ता ललित प्रसाद तिवारी, डॉ पूरन सिंह भूमला, जिला अध्यक्ष शिक्षक संघ नैनीताल मनोज तिवारी, संदर्भदाता डॉ विजेता बिष्ट, डॉ विजेता मनराल, रश्मि जोशी, कमलकांत पांडे, शिवओम अग्रवाल, रूपाली, राखी धनगर, मंजरी जोशी, गुमान सिंह राणा, दिलबर सिंह रावत आदि मौजूद रहें।कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक सुभाष चंद्र जुयाल द्वारा किया गया।

भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल

रामनगर (संवाददाता)। संयुक्त संघर्ष समिति रामनगर से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अमेरिका इजरायल द्वारा ईरान पर थोपे गए जबरन युद्ध को अंतरराष्ट्रीय कानून एवं संयुक्त राष्ट्र चार्टर के विरुद्ध बताते हुए निंदा की गयी और भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए।देवभूमि व्यापार मंडल के सभागार में संयुक्त संघर्ष समिति के सदस्य प्रभात ध्यानी के संचालन में संपन्न बैठक में अमेरिका इजरायल द्वारा ईरान पर जबरन थोपे गये युद्ध में दोनों तरफ से हो रही बमबारी में हजारों निर्दोष लोगों जिनमें बड़ी संख्या में मासूम बच्चे मारे गए हैं। अमेरिका इजरायल द्वारा ईरान के अस्पतालों, स्कूलों रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया जा रहा है जिसमें जान माल का बड़ी संख्या में नुकसान हो रहा है ।संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े विभिन्न घटक संगठनों ने अमेरिका इजरायल द्वारा ईरान पर जबरन थोपे गए युद्ध का मकसद ईरान के प्राकृतिक संसाधनों गैस, तेल पर कब्जा करना है। युद्ध के कारण पूरे विश्व पर खासकर मध्य पूर्व के देशों की जनता पर भी इसका सीधा असर पड़ता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि अकेले भारत के एक करोड़ से ज्यादा लोग खाड़ी के देशों में जहां-तहां फंसे हुए हैं ,युद्ध के कारण उनके रोजगार एवं जीवन पर गंभीर संकट बना हुआ है।स्ट्रेट आफ हारमुज से तेल के निर्यात बाधित होने के कारण आपूर्ति में कमी आई है।जिसके कारण लोगों के अन्दर असुरक्षा का भाव आने के कारण अफरातफरी का माहौल बन गया है।बैठक में अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों की संप्रभुता ,आंतरिक मामलों में की जा रही दखलन्दजी को उनकी संप्रभुता पर सीधा हमला बताया। बैठक में भारत सरकार द्वारा अमेरिका इजरायल ईरान के बीच हो रहे युद्ध में भारत सरकार द्वारा चुप्पी साधने पर गंभीर चिंता जताई तथा आरोप लगाया कि भारत सरकार की चुप्पी भारत की वर्षों से चली आ रही गुटनिरपेक्ष नीति के खिलाफ है । वक्ताओं ने भारत सरकार से अपेक्षा की गई है कि वह इस संबंध में अपना स्टैंड लेते हुए शांति की कोशिशें में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति ठप होने से शहर का स्ट्रीट फूड और होटल-रेस्टोरेंट कारोबार बुरी तरह प्रभावित

हल्द्वानी (संवाददाता)। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति ठप होने से शहर का स्ट्रीट फूड और होटल-रेस्टोरेंट कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो गया है। सिलेंडर न मिलने से होटल-रेस्टोरेंट संचालकों ने अपने मेनू कार्ड से लगभग 70 प्रतिशत फूड आइटम हटा दिए हैं, वहीं सैकड़ों ठेले-फड़ भी बंद हो गए हैं। नगर निगम के अनुसार शहर में 1873 स्ट्रीट वेंडर्स पंजीकृत हैं, जबकि वास्तविक संख्या चार हजार से अधिक बताई जाती है। इनमें से करीब 1200 वेंडर्स स्ट्रीट फूड परोसते हैं। मंगलवार से व्यावसायिक सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने के कारण इन वेंडर्स का कामकाज प्रभावित हो गया है। निगम ने भी सभी स्ट्रीट वेंडर्स को घर से तैयार भोजन लाकर बेचने के निर्देश दिए हैं और ठेलों पर खाना बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्ट्रीट फूड विक्रेता हरीश बिष्ट और मोहन चंद्र भट्ट ने बताया कि व्यावसायिक सिलेंडर न मिलने के कारण बुधवार को पांच सौ से अधिक ठेले वालों को अपना कारोबार बंद करना पड़ा।नगर निगम की पहल पर हाल के दिनों में शहर के कई निजी भूखंडों पर चौपाटी और फूड कोर्ट विकसित किए गए थे, जहां बड़ी संख्या में वेंडर्स भोजन परोसते थे। हल्द्वानी से काठगोदाम तक इन स्थानों पर पहले काफी चहल-पहल रहती थी, लेकिन बुधवार शाम अधिकांश चौपाटी और फूड कोर्ट में खाद्य सामग्री बेचने वाले ठेले बंद मिले।व्यावसायिक सिलेंडर की कमी से होटल और रेस्तरां संचालक भी परेशान हैं। गैस खत्म होने के कारण उन्होंने अपने मेनू से मोमो, चाइनीज फूड समेत लगभग 70 प्रतिशत आइटम हटा दिए हैं। संचालकों का कहना है कि इन व्यंजनों को बनाने के लिए तेज आंच की जरूरत होती है, जो इंडक्शन या माइक्रोवेव में संभव नहीं है। डीजल बर्नर पर इन्हें बनाने से लागत काफी बढ़ जाती है।

भारतीय कप्तानों ने मुंबई स्पार्टन्स को 23 रनों से हरा दिया

हल्द्वानी (संवाददाता)। बुधवार को हल्द्वानी के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) 2026 सीजन के पहले मैच में भारतीय कप्तानों ने मुंबई स्पार्टन्स को 23 रनों से हरा दिया। गुरुवार को रॉयल राइडर्स पंजाब का सामना एलएलसी 2026 के दूसरे मैच में इंडिया टाइगर्स से होगा।शेल्डन जैक्सन के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवरों में 150/9 का स्कोर बनाने के बाद भारतीय कप्तानों ने अनुशासित गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए मुंबई स्पार्टन्स को 18.5 ओवरों में 127 रनों पर ऑल आउट कर दिया। असेला गुणरत्ने ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए (4 विकेट) और प्रवीण गुप्ता ने तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर जीत सुनिश्चित की। मुंबई स्पार्टन्स के कप्तान एस श्रीसंत ने शुरुआती ओवरों में गेंदबाजों को बदलते हुए पारी की सतर्क शुरुआत की। हाशिम अमला दूसरे ओवर में ईश्वर चौधरी की गेंद पर कैच आउट होकर सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि, उपुल थरंगा और शेल्डन जैक्सन ने एक संक्षिप्त साझेदारी करके पारी को संभाला। थरंगा ने 22 गेंदों में 23 रन बनाए और केसी कारियाप्पा द्वारा आउट होने से पहले कप्तान का स्कोर 58/2 हो गया।कप्तान सौरभ तिवारी कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए और शून्य पर आउट हो गए।

स्वच्छता अभियान व सम्मान समारोह आयोजित

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर के ग्राम क्यारी प्रधान नवीन सती के नेतृत्व में क्यारी गांव में स्वच्छता अभियान व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रधान नवीन सती ने बताया कि स्वच्छता अभियान में ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हुए गांव के विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई की और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।अभियान के दौरान कुल 188 किलो कूड़ा एकत्रित किया गया, जिसमें सूखा कूड़ा अलग कर पृथक्करण भी किया गया। इस अभियान में ग्रामवासियों, वेस्ट वॉरियर्स संस्था, होटल व्यवसायियों, नेचर गाइड, गांव के युवाओं और फॉरेस्ट विभाग ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।इसके पश्चात सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, जेष्ठ प्रमुख संजय नेगी और खंड विकास अधिकारी गिरिश पांडे रहे।इस अवसर पर गांव के जागरूक नागरिकों को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एक्ट्रेस पूर्णा की फिल्म डार्क नाइट की रिलीज डेट अनाउंस

डार्क नाइट ने अपनी रिलीज अनाउंस कर दी है। एक्ट्रेस पूर्णा डार्क नाइट नाम की एक इमोशनल एंटरटेनर में काम कर रही हैं। लेटेस्ट जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज अनाउंस कर दी है। फिल्म 13 मार्च 2026 को रिलीज होगी।जीआर. आदित्य के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में त्रिगुन, वीरधार्थ, सुभाश्री रायगुरु अहम रोल में हैं। मिस्किन इसके म्यूजिक डायरेक्टर हैं और इसे पटलोला वेंकट रेड्डी ने पी19 स्टूडियोज के बैनर तले प्रेजेंट किया है। फिल्म को सुरेश रेड्डी कोव्वुरी ने प्रोड्यूस किया है।पूर्णा ने हेमा का किरदार निभाया है, जो कहानी को आगे बढ़ाने वाला एक अहम रोल है। कहानी चार मेन किरदारों की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके इमोशन, राज और झगड़े धीरे-धीरे सामने आते हैं, जिससे एक टेंशन वाली और दिलचस्प कहानी बनती है। एक्टर त्रिगुण, जिन्हें अदित अरुण के नाम से भी जाना जाता है, रोशन के रोल में हैं, जबकि विदार्थ एलेक्स का रोल निभा रहे हैं। सुभाश्री रायगुरु सोफिया के रोल में हैं, जो फिल्म की मेन कहानी में और गहराई जोड़ती हैं। फिल्म के प्रमोशन ने मूवी लवर्स के बीच दिलचस्पी पैदा की।

द 50 से बाहर होने के बाद निक्की तंबोली ने की क्रिप्टिक पोस्ट, बोलीं-फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी द 50 से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने द 50 के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है। जानिए, अपनी पोस्ट में निकी तंबोली ने क्या कहा? और कौन से प्रतियोगी पर वह निशाना साधा रही हैं।निकी तंबोली ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए। वह आगे लिखती हैं, गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि वह टीवी एक्टर प्रिंस नरुला और टीवी पर्सनालिटी शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह दोनों इस वक्त द 50 शो का हिस्सा हैं। जब निक्की और उनका बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रिंस नरुला से कई बार झगड़ा हुआ।द 50 शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिंस नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। द 50 शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

रिलीज से पहले धुरंधर 2 का भौकाल, हाथों-हाथ बिके 31सौ के भी टिकट, एडवांस बुकिंग में ही कर डाली सॉलिड कमाई

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 के लिए लोगों की एक्साइटमेंट पीक पर है. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते है कि इसके 18 मार्च को होने वाले पेड प्रीव्यू शो के लिए ही धुआंधार एडवांस बुकिंग हो रही है. यहां तक कि महंगे टिकट भी हाथों हाथ बिक रहे हैं चलिए यहां जान लेते है कि धुरंधर 2 ने फिलहाल पेड प्रीव्यू शो के लिए हो रही एडवांस बुकिंग में कितना कलेक्शन कर डाला है?धुरंधर 2 के पिछले हफ्ते रिलीज हुए ट्रेलर के बाद से इसके पेड प्रीव्यू शोज की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी. दिलचस्प बात ये है कि इसे प्री टिकट सेल में उम्मीद से कई गुना ज्यादा शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. धुरंधर: द रिवेंज एक पैन-इंडिया फिल्म है, जो हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हो रही है.बता दे कि फिल्म ने अब तक पूरे भारत में 8,337 शो के लिए 3.48 लाख टिकट बेचे हैं सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी के साथ ये फिल्म अब तक अपनी प्रीमियर एडवांस बुकिंग से 18.64 करोड़ कमा चुकी है. फिल्म ट्रैकर के मुताबिक, हिंदी (2डी) वर्जन में धुरंधर 2 7,951 शो में 3.23 लाख टिकट बेचकर सबसे ज्यादा 18.16 करोड़ की कमाई की है. वहीं हिंदी डॉल्बी सिनेमा फॉर्मेट ने 203 टिकट से 1.57 लाख और कमा लिए हैं. डब वर्जन की बात करें तो इसने तमिल (2डी) में 15,385 टिकटों से 23.58 लाख कमाए हैं।इसके बाद तेलुगु (2डी) ने 7,827 टिकटों से 18.54 लाख, कन्नड़ (2डी) वर्जन ने 479 टिकटों से 2.04 लाख और मलयालम (2डी) वर्जन ने एडवांस सेल से 934 टिकटों से 2.25 लाख कमाए हैं।धुरंधर 2 के पेड प्रीव्यू के शानदार रिस्पॉन्स को देखते हुए आईएनओएक्स, सिनेपोलिस और पीवीआर जैसी बड़ी सिनेमा चेन ने धुरंधर 2 के पेड प्रीव्यू के जरिए नई प्रीमियम कैटेगरी शुरू की हैं. पूरे भारत में इन शो सबसे ज्यादा महंगे टिकट मुंबई के बोरीवली में स्काई सिटी मॉल के आईनॉक्स मेगाप्लेक्स में बिके हैं. यहां रिक्लाइनर प्राइम कैटेगरी में 3,100 रुपये की कैटेगरी भी सोल्ड आउट हो चुकी है.बता दें कि आदित्य और लोकेश धर के बी62 स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे के जियो स्टूडियोज ने मिलकर धुरंधर 2 बनाई है. इसमें रणवीर, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन पहले पार्ट के अपने किरदारों को दोहराते हुए नजर आएंगे. इसका पहला पार्ट धुरंधर घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई, जिसने 890 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए, और दुनिया भर में चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई, जिसने 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए थे.

पवन कल्याण की एक्शन फिल्म उस्ताद भगत सिंह की रिलीज डेट बदली, अब 19 मार्च को देगी दस्तक

साउथ सिनेमा के स्टार पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित आगामी एक्शन फिल्म उस्ताद भगत सिंह की रिलीज डेट में बदलाव कर दिया गया है। फिल्म को पहले 26 मार्च को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इसे 19 मार्च को रिलीज किया जाएगा। यह जानकारी मेकर्स ने दी। प्रोडक्शन हाउस मैथ्री मूवी मेकर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्टर पोस्ट किया और अपडेट शेयर की।उन्होंने लिखा, हमारी फिल्म उस्ताद भगत सिंह बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सेलिब्रेशन के लिए एक हफ्ते पहले आ रही है। फिल्म उस्ताद भगत सिंह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह पोस्ट देखने के बाद फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और पवन कल्याण का दमदार परफॉर्मेंस देखने के लिए हर कोई बेताब है।हरीश शंकर द्वारा निर्देशित फिल्म 2016 की तमिल फिल्म थेरी की तमिल रीमेक बताई जा रही है। साल 2016 में एटली द्वारा निर्देशित फिल्म थेरी को दर्शकों की तरफ से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। इसने बॉक्स ऑफिस में जमकर कमाई भी की थी। इसे कई भाषाओं में डब भी किया गया था। हिंदी दर्शक भी इस फिल्म को देख चुके हैं।फिल्म उस्ताद भगत सिंह में पवन कल्याण के अपोजिट श्रीलीला नजर आएंगी। इसके अलावा, फिल्म में के.एस. रविकुमार, आशुतोष राणा, नवाब शाह, प्रथिबन, पवन कल्याण, राशि, अविनाश, गौतमी और नागा महेश भी नजर आएंगे। इस फिल्म में पवन कल्याण एक सख्त और बहादुर पुलिस अधिकारी का किरदार निभाते दिखेंगे। 19 मार्च को रणवीर सिंह की पैन इंडिया हिंदी फिल्म धुरंधर 2 भी पर्दे पर लगेगी। अब देखना होगा कि दर्शक किस फिल्म को ज्यादा प्यार देते हैं।

भावना अजवानी की जगह अब निधी शेट्टी बनेगी प्रेरणा, प्रेम पर डोरे डाल छीनेगी राही का पति

टीवी के पॉपुलर सीरियल अनुपमा ने दर्शकों के दिलों-दिमाग पर कब्जा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में आए दिन ऐसे-ऐसे महाट्विस्ट आ रहे हैं, जिसने लोगों की एक्साइटमेंट भी सातवें आसमान पर पहुंचा दी है। रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में लीप आने वाला है, जिसके बाद शो की कहानी ही नहीं, बल्कि कास्ट में भी काफी बदलाव देखने को मिलेगा। सीरियल में जहां सचिन त्यागी की एंट्री होने वाली है। वहीं अब अनुपमा में प्रेरणा की जगह भी एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, जो शो में दिलचस्प मोड़ के साथ कदम रखती दिखाई देगी। अनुपमा में होने वाले इन बदलावों ने दर्शकों की उत्सुकता को भी दोगुना कर दिया है। अनुपमा में जहां पहले प्रेरणा का किरदार भावना अजवानी अदा कर रही थीं। वहीं अब रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा में प्रेरणा की जगह एक्ट्रेस निधी शेट्टी कदम रखेंगी। निधी शेट्टी को आखिरी बार इशिका शाही की वेब सीरीज जब जोडियेक्स मेट में देखा गया था। इस सीरीज में उन्होंने जिया का किरदार अदा किया था। वहीं अब निधी शेट्टी प्रेरणा बनकर अनुपमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। हालांकि अभी तक शो से भावना अजवानी के जाने की वजह सामने नहीं आई है।

परमार्थ निकेतन में देश-दुनिया के साधकों ने लिया आयुर्वेद का ज्ञान

ऋषिकेश(संवाददाता)। परमार्थ निकेतन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के चौथे दिन साधकों ने आयुर्वेद का ज्ञान लिया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि आयुर्वेद स्वास्थ्य का मार्गदर्शन करता है। यज्ञ में विश्व शांति और सामंजस्य की प्रार्थना की गई। साधकों ने विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया और गंगा आरती के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया। देश-दुनिया के साधकों ने लिया आयुर्वेद का ज्ञान: परमार्थ निकेतन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में चौथे दिन गुरुवार को साधकों ने भारत की प्राचीन विधा आयुर्वेद का ज्ञान लिया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि आयुर्वेद सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यह प्राचीन विधा आज भी करोड़ों लोगों को स्वस्थ जीवन की राह दिखा रही है। महोत्सव के दौरान गुरुवार को 'विजडम टॉक्स आध्यात्मिक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें आयुर्वेद समग्रता का संतुलन, समन्वय और योगिक जीवन के माध्यम से स्वास्थ्य विषय पर विशेषज्ञों ने जानकारी प्रदान की। सत्र में विशेषज्ञ डॉ. रामकुमार, डॉ. कृष्णा पंकज नारम और मारिया अलेजांद्रा अवचारियन ने विचार साझा किए। साधकों को बताया कि आयुर्वेद कैसे प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जीने और शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को विकसित करने का एक कालातीत दर्शन है। डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा कि वर्तमान समय में पूरे विश्व को योग और आयुर्वेद की सर्वाधिक जरूरत है। इस समय जब पूरा विश्व तनाव, असंतुलित जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों की चुनौती से जूझ रहा है, तब योग और आयुर्वेद की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। योग शरीर, मन और आत्मा को संतुलन में लाकर आंतरिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है।इन योग क्रियाओं का किया अभ्यास: आश्रम में सूर्योदय के साथ साधकों ने योगाचार्य सुधांशु शर्मा के साथ सनराइज चौंटिंग का आनंद लिया। इस दौरान गंगाघाट मंत्रोच्चार और भक्ति से वातावरण गुंजायमान रहा। योगाचार्य डॉ. इन्दु शर्मा ने क्रिया योग, डॉ. रुचि गुलाटी ने प्राणायाम तकनीकों का अभ्यास कराया। योगाचार्य साध्वी आभा सरस्वती ने योग निद्रा सत्र के माध्यम से गहन विश्राम और आंतरिक जागरूकता का अनुभव कराया। योगाचार्य किया मिलर ने चक्र इंटेलिजेंस क्रिया और ध्यान सत्र से शरीर की सूक्ष्म ऊर्जा प्रणालियों की जानकारी प्रदान की। योगाचार्य केटी बी हैप्पी ने रेवरेंस फ्लो सत्र के माध्यम से पांचवें और छठे चक्र के संतुलन पर आधारित विन्यास अभ्यास कराया।विश्व शांति को यज्ञ का भी आयोजन: योग महोत्सव में स्वामी चिदानंद और साध्वी भगवती सरस्वती की मौजूदगी में साधकों ने विश्व में शांति, स्वास्थ्य और सामंजस्य की प्रार्थनाओं के साथ यज्ञ किया। साधकों ने यज्ञ में आहुति डालते हुए एकजुटता का संकल्प भी लिया। स्वामी चिदानंद ने कहा कि शांति और स्वास्थ्य से किसी भी समाज की तरक्की संभव है। दुनिया में शांति होगी, तो ही मानव का भी कल्याण संभव है। वहीं, शाम को गंगा आरती के बाद जैमिंग बैंड के सदस्यों ने प्रस्तुति दी। राघव और प्राची की जोड़ी ने शानदार प्रस्तुति देकर साधकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

संक्षिप्त समाचार...

मेधावी छात्रों का पूरा ध्यान, छात्रवृत्ति योजना वरदान

- प्रदेश में अभी तक 21 हजार से ज्यादा बच्चों को मिल चुका है लाभ

- राज्य सरकार ने बांटी 17 करोड़ 67 लाख 77 हजार तीन सौ रूपये की छात्रवृत्ति

- मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में लाभान्वित हुए सर्वाधिक बच्चे

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए धामी सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है। यही वजह है कि अभी तक प्रदेश के 21 हजार 743 बच्चों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। इसमें मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में सबसे ज्यादा 17 हजार 852 मेधावी बच्चे लाभान्वित हुए हैं। धामी सरकार ने समस्त छात्रवृत्ति योजनाओं के पात्र मेधावी बच्चों में अभी तक 17 करोड़ 67 लाख 77 हजार तीन सौ की धनराशि वितरित की है। प्रदेश में मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के साथ ही डॉ शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना, श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कोर छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। इसके अलावा, प्रदेश से बाहर के सैनिक स्कूल में पढ़ रहे मेधावी छात्रों को भी धामी सरकार छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान कर रही है। विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सदन में बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में छह से 12 वीं तक के मेधावी बच्चों को 600 से लेकर 1200 रूपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना में अभी तक 3289 मेधावी बच्चें लाभान्वित हुए हैं, जबकि डॉ शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना में अभी तक 527 बच्चों को छात्रवृत्ति मिली हैं।

मिलावटखोरों पर और कसेगा सरकार का शिकंजा

देहरादून(संवाददाता)। जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों पर धामी सरकार का शिकंजा अब और कसेगा। त्योहारों के समय ही नहीं, बल्कि हर माह में एक सप्ताह खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए विशेष अभियान चलेगा। इसके अलावा, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में स्टाफ की कमी को भी दूर किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कतई बख्शा न जाए। हर महीने अभियान, हाट-मेलों पर खास ध्यान: विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन बृहस्पतिवार को सरकार ने साफ किया कि खाद्य पदार्थों की जांच का काम तेजी से चल रहा है। इसकी गति और तेज की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि हाट-मेलों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को खास तौर पर चेक किया जाएगा। खाद्य पदार्थों की जांच-दो वर्ष का हिसाब- वर्ष 2023-24: इस वर्ष में खाद्य पदार्थों के कुल 1627 नमूने लिए गए, जिसमें से 171 फेल हुए।

नाले से गैस निकालकर चाय बनाने का कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

हरिद्वार(संवाददाता)। गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर पूर्व सभासद अशोक शर्मा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ गुरुवार को जगजीतपुर में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नाले में पाइप डालकर गैस निकालने का प्रदर्शन करते हुए चाय बनाने का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आरती भी उतारी।अशोक शर्मा ने कहा कि देश में गैस सिलेंडर के लिए लोगों

को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस एजेंसियों पर लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। सरकार एक ओर दावा कर रही है कि गैस सिलेंडर की कमी नहीं है। दूसरी ओर उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने नाली से गैस निकालकर चाय और पकौड़े बनाने की बात कही थी। इसी को आधार बनाकर कांग्रेस कार्यकर्ता नाले से पाइप डालकर गैस निकालने का प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना था कि यदि सरकार के अनुसार गैस की कमी नहीं है तो एजेंसियों पर लग रही लंबी कतारों का समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को भी गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है। ऐसे में सरकार को व्यवस्था सुधारते हुए उपभोक्ताओं तक समय पर गैस सिलेंडर पहुंचाना चाहिए। इस मौके पर सुंदर सिंह मनवाल, हरद्वारी लाल, कार्तिक कुमार, दिनेश पुंडीर, सुमित भाटिया, दीपक कोरी, वसीम सलमानी, अजय दास, राजेंद्र भारद्वाज, अमित रस्तोगी और देवेश गौतम समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गैस एजेंसियों के गेट बंद, बाहर लगी भीड़

हरिद्वार(संवाददाता)। शहर में गैस एजेंसियों पर सिलेंडर बुकिंग के लिए लोगों की भीड़ जमा हो रही है। सुबह सात बजे से एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लोगों की लंबी लाइनों लग रही हैं। गैस एजेंसियों पर गैस सप्लाई और बुकिंग का बुरा हाल है। परेशान लोग गैस एजेंसियों के बाहर खड़े हो रहे हैं। एजेंसी संचालक गेट बंद कर अंदर बैठ रहे है। लोगों को एजेंसियों पर उचित जवाब नहीं मिल रहा है। गुरुवार को आईओसी, बीपीसीएल और एचपी की गैस एजेंसियों पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की लाइनें लगी रही। पूर्वाह्न 11 बजे कनखल की पुष्पक गैस एजेंसी के बाहर बड़ी संख्या में महिलाएं बुकिंग कराने के लिए खड़ी नजर आईं। एजेंसी प्रबंधक ने गेट बंद किया हुआ था। कोई भी व्यक्ति एजेंसी के भीतर प्रवेश नहीं कर सका। परिचितों के लिए गेट खोला जा रहा था। गेट पर खड़ा व्यक्ति बाहर खड़ी महिलाओं को धमकाता नजर आया। यहां महिलाओं को सिलेंडर बुकिंग और सप्लाई की जानकारी नहीं मिली। लोग घंटों तेज धूप में एजेंसी के बाहर गेट खुलने की प्रतीक्षा करते रहे। लोगों की सुनवाई नहीं हुई। यहां कोई पुलिस कर्मी तैनात नहीं किया गया है। वहीं, दोपहर 12 बजे शंकर आश्रम सिद्धि विनायक एजेंसी पर लोगों की बड़ी भीड़ नजर आई।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com

ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com